SAMPLE QUESTION PAPER (2022-23)

Subject: MANIPURI (MIL) Code No. 011

Class: X

Time: 3 Hrs. Max Marks: 80

General Instructions:

- 1. The question paper contains 4 sections i.e. A, B, C & D
- 2. The question paper includes
 - a. 50% MCQs (i.e. 40 Marks). Each MCQ carries 1 mark each.
 - b. 50% Short Answer, Long Answer type questions carrying 2/3/4/5/6 marks each with 30% to 33% internal choice.

3x5=15Section A: (Reading Comprehension – 3 passages) marks All 15 number of MCQs to be attempted (5 questions from each passage) Q. 1 Read the following passage carefully and choose the wright answer from the given options of each questions: නුණා प्रसल्य प्रत्येप-प्रसल्धिन देशिष रेजीलीय सुद्र याँज। प्रल<u>ज्</u>थातीली ण उराजस्था प्रशास सामान करेता महासन्ना सम्बन्ध स्थान ण्या पाराधा प्राप्ती प्रतिप्रका प्रतिस्म प्राप्तमा प्राप्ति क्या प्रतिस्म प्रमाप्ति क्या प्रमाप्ति क्या प्रमापित चर्गाताला ।। राजहर हर सम्र हेम्म किन्नीलर्वकाम राजमा राजिलकार्म, र्रेयर्व राजसम <u>णह्मीष्रोणी सत्रेज, गेक्प सञ्लेणामाणी सत्रेज्ञ दें हुए प्राप्त प्रस्ता अंखरेए त्रिणी दम्ब दें हुए प्रेप्त</u> भन्न प्रस्तर्थ में महत्र हेन प्रमाण मा स्राधिय प्रात्याचित्र क्ष्या महत्र क्ष्या महत्र महत्र प्रमाण -द्र प्राथमक सर्धम निवास सम्बन्धा निवास । विराधित हिन्स निवास अप्राधित । विराधित विवास अप्राधित । । तवार्य फ्रेड होने जात्रीक्षम ४३ व्यथ्यप्रमाधि प्राधीमणीम रहे त्रक्षर मा भारतिष्य पर्णात्राण प्राधीमणी प्रवारी मर्व्यापकर ४३ प्रसर्वेण प्राणबर्वामा भाषांलास्वर्ध भाष्ट्राक्षित्रम् एतम्बर् ॥ दस्र ठाण्टर जदर्ग व्यारित्र क्यों व्याप्त विवास (a) प्रत्या-प्रसिक्ष विभाष देश रेमिश प्राप्त । 1 ष्ट्रदृष्टि स्ट्रप्रदृष्ट i. प्रमार्थ स्वयत्रा ii. णाउँ सप्रदी। iii. टेगार ध्वात्ररही। iv. (b) प्रमातिका भाष्मि भाष्मि कि अभिकार कि अभिकार का अभिकार के अभिकार के अभिकार के अभिकार के अभिकार के अभिकार के ष्ट्रदें ष्ट्रप्रदी। i. ជាស្នាធ្វើជ្ជា ii. णाउँ सप्रदी। iii. टेगा प्रप्रटी। iv.

	(c) ឃ ^o റാ <u>ശൈം</u> टाहोण ឃប់ន जूळकेभणणा सिंशाणा व्याभाषा सिंभाषा	
	і. प्रे-प्प॰পরিইন্দা সধ্যমিত দ্রার্থ দ্রার্থ দ্রার্থ দ্রার্থ	
	ii. <u>ষ</u> প্রকিণ্ডেন্নাশি সধক্ষয়ি আ ^১ ৯৪৫৫৫॥	
	iii. তুগুআম আছ্ ভ ামিসম স্থাম্পমার আগ্রান	
	iv. আក្លាស្រាស្ត្រ আৰু প্রান্ত আৰু প্রান্ত আৰু	
	(d) प्रेक्ष्णू साम्लेक केक्शिष सिष्णेक खेळाट्रालीण प्यली : 1	
	i. ഡංෆ <u>ශභ</u> ංට්රික දී॥	
	ii. हूभुग प्रस्ठूण प्रजेण प्रस॰भिक्कित्र हैं॥	
	iii. ष्टा ॰एत्रि प्रस्लूण ਐंटटेएत्रिक्च टें॥	
	iv. আছ্ৰপ্ৰামাত ক্ৰিত্ৰত ন্তৰ্ভাৱ বিজ্ঞান প্ৰত	
	(e) រាប្រាក្សា (e) មាន៣៤ ក្នុកាន្ត មាន៣៤ ក្នុកាន្ត (e) មាន៣៤ ក្នុកាន្ត មាន (e) មាន (
	i. हू-ধ स्প্রিण सिओ Èদ্লাস অতি সা	
	ii. प्रोमिष्ट मिष्टिक प्राचित्रम प्राच्या	
	iii. हू सिक्टाणि स्त्रे जोण्डलि।	
	iv. प्रतेम8 ए हू ५ ऋ थूणटोम प्रोक्ता	
Q. 2	द्वा अक्षा दिस ए५४४ इत्र भ्वा अधि कोणि के प्राप्त के प्राप्त के स्वर्ण के स्	1x5=5
	टा, നळभक्तर १९.२ प्रामण्डा पाकूण ग्रोभावता होते रहे रहे स्वर्भ से स्वर्भ प्राप्त स्वर्भ रहे स्वर्भ रहे से स्वर्भ	
	णर्स जावर्ष्ट क्यानिक क्यानिक हुए हैं है	
	समध्यम ४८०७० २०.२४ स्ट्रिय माजूम भित्रम १९८० १०.२० समध्य १९८० १०.२० सम्बर्ध स्थाप ने विकास स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप	
	भारहें चाक्षित्र हे आक्राप्त है कहम है कि स्वाधित है सहस्त्र है	
	प्रेक्षा क्ष्म क्षा कार प्रकार कार प्रकृत कार प्रकार कार प्रकार कार प्रकार कार प्रकार कार प्रकार कार कार कार कार कार कार कार कार कार	
	ער: אָנְסָיּים ער אָנָם װּ װּ אָנָם אָנָ	
	ন্ত্র স্থান সমাত্র স্থান স্থ	
	ण <u>भक्त</u> कार प्रसाय के जात कार प्रमाय के जात के जा जा जा जात के जात के	
	(a) ऋर्भाः \$000 ाणी लण्डलल सञ्चा जडाय गेक्परा देज्ञभाषा त्रेषाण त्रेषा प्रली प्राप्तीणिय प्रेत्त : 1	
	i. ያዩ.ዩ ፒተዘ	
	ii. ፠ዋ.ምዋ ሮể ။	
	iii.	
	iv. '동왕.우 건티	
	ीएक वार्य निवर्ष व्याप्त क्रिस एक वार्य प्रमा किल्ला क्षेत्र विज्ञा क्षेत्र विज्ञा क्षेत्र विज्ञा क्षेत्र विज्ञा	
	ਧੁਸ਼ਾਗਿਾਹਿ ਸੇ ਜ :	
	i. ፠ዋ.ኇዋ ሮf	
	ii.	
	iii.	
	iv. ৪ ৫. ১৯ দুৰ্গ	

(c) ऋ<u>भ</u>ि: ६००१ त्र ट⁹ण लगे पस्ति भे<u>टर</u> लगे प्रतिसणामी त्रेञ्चर पुणा सि॰म४४९०णि णाली प्रेजः ខ प्रणायद । अ ऋणाऋदा॥ ii. iii. क्ष ऋणाऋदा ॥ ८ प्रणायदा iv. गुफरत क्रुष्ट । ii. ጀ' ጤጫ' ር щያጀ በ iii. ॥ द्यत्या यट्याया॰ प्र iv. (e) គ਼ਿਟਿਟਿਨਿਸ ਸ਼੍ਰਿਡਿਸ਼ ਅਹਾਜ਼ਿਲ ਸ਼੍ਰਿਤਾ ਜ਼ਿਨਿਤਿਸ਼ ਜ਼ਿਨ੍ਤਿਸ਼ ਸ਼੍ਰਿਤਿਸ਼ ਸ਼੍ਰਿਤਿਸ਼ ਸ਼੍ਰਿਤਿਸ਼ ਸ਼੍ਰਿਤਿਸ਼ ਸ਼੍ਰਿਤਿਸ਼ ॥ दर्ग पाठम भाषस्त्रं १२०२ : भिर ॥त^{र्}ग्ण प्रगुम गिषञ्चर्च २२०२ :<u>भिन</u>् ii. । दर्ग प्रज्ञ । भारु सूत्र २२०२ : भिन्र ॥ तर्ग पाग्रम भाषस्त्रं २२०२ : भित्र ॥ १०५५ सार्य ४ स्टर्भ विषय १५ स्थाप १५० स्टर्भ हर्ष हिस्स वर्ष होते । Q. 3 ७ व्याणिय के त्रिया सम्प्रता स्थापिय के स्वर्ण ताम स्वर्ण ताम स्वर्ण ताम स्वर्ण ताम स्वर्ण ताम स्वर्ण ताम स्वर णियाीलर्म्सयात्र रहें स्वयंत्र पियलियात्र दर्भित र्यंत्रमा ॥१५ ०१९९ भ्रष्टीम जिस्तर्मर ह २२२२ :१<u>८०५</u> द्रह्मण ॥ १ समभ्वज्ञ जन्दर्भ जिन्हित्यार राज्यार पाहर<u>्यन्</u>य जर्जार्ज्ञ राज्यक्ष हत्त्व ज भन्मणा स जर्मवास्य उभराभारण उत्तर्वर समावर्षण ही सक्षा न्या राजापार प्रमाधिक उथ्यानिक प्रमानिक प्रमानिक प्रमानिक (The Great Trigonometrical Survey of India) ऋण्या हेख वे॰क्रेलीनवमसी॥ ऋग्र खेखप्र॰क्ट्रीण प्रली <u>क्रो</u>क्रमणि प्रेपार प्राप्तिने ए५४७०, क १९९१ :१<u>भन्</u>य ॥ निर्देर एतर्क एष्ठणर्म पाक्रत<u>र्मन</u> ए २१ भष्ठमए र्म्कणोर रहभूम पिना ॥ रिस्मार्ट ४००१ वर्ष में जिल्ला र जिल्ला प्रमान विद्यार्थन (a) सेञ्चल्य प्राधान भाषा । (a) सेञ्चल्य प्राधान । (a) सेञ्चल्य प्राधान । (b) सेञ्चल्य प्राधान । (b) सेञ्चल्य प्राधान । (c) सेञ्चल्य प्राधान । (d) सेञ्चल्य । (d) सेञ्य । (d) सेञ्चल्य । (d) सेञ्य । (d) सेञ्चल्य । (d) स ॥हे स्वाति रहेना क्रिया प्रमाण क्रिया प्रमाण त्रणात काष्ट्रता प्राप्त काष्ट्रता काष्ट्रता काण्या काण्या विष् шूएंप्रन ग्राकुल । उस्ति स्वाप्ति । अधिक अधिक अधिक । अधिन अधिन अधिन स्वाधिन स्वाधिन स्वाधिन स्व (p) मुख्य त्यामा प्राप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त प्राप्त व्याप्त प्राप्त व्याप्त प्राप्त व्याप्त व्याप्त व्याप ः ष्ठयाध्य ਰ॰ফਕ੍ਰਿਸ਼ ਗ<u>ਆ</u>। នទ.ទទ ਬਾਹੀ। i. 3 ខេត្ត នៃ នេះ ខេត្ត ខេត្ ii. ਰਾਅਨ੍ਰਿਕ ਕਾ<u>ਿਆ</u> ਫ਼ਿਰ.ବହ ਸਦੀ॥ iii. ਰਾਅਨ੍ਰਿਸ਼ ਲਗ<u>ਿਾ</u>ਈ នទ.ទ೫ ਸਾਹੀ। iv.

	(c) सिज्जल्प प्राधाला प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त	
	i. ਟੇਅਧਾਨ੍ਕਿਸ਼ ਗਿ <u>ਆ</u> ਿ 99.99 ਗਾਹੀ॥	
	ii. ਟੇਅਘਾਸ਼ਿਲ ਗਿਆਿ ਵਿਵਾਦ ਭਾਰੀ ॥	
	iii. ਟੇਅਗਾਨ੍ਕਿਸ਼ ਗਿ <u>ਆ</u> ਿ ਵਿਭ.ਵਿਭ ਗਾਹੀ॥	
	iv. বুলামুক কা <u>শি</u> প ទিទ.ছি ক্তা॥	
	(d) でつかいのととという。 1 回来を出る。	
	i. ⊞িফি শ	
	ii. ଲୀଅଣ ଜବ⊛୦ ୯୮∥	
	iii. ዜ [38ው	
	iv. ዜ[380 ବଡ଼ଡ଼0 ୯ ୮॥	
	(e) अहर्मकार हमसार हमसार हमसार हमा हान्य हा जिल्ला हिन्स ।	
	i. प्र°ेस°ट्रणसेएा॥	
	ii. लेणक्षसञ्खी॥	
	iii. ໝ່ອກ°ອວ່າພວໃ ແ	
	iv. আ ণ্ম ল ংস ল ংস্থা	
Section - E		
Writing:	1. Essay Writing, 2. Letter Writing, 3. Amplification, 4. Phrase and	25 marks
	Idioms 5. Sub-Skill (Application or Notice Writing)	
Q. 4	แ रूद (๑๑๑) แจน สาพพ	6 x1= 6
	(a) सरोक छोष्ठि एटिएएए॥	
	(b) אשת שֹב א פשעו װ	
	(c) स्कॅरेण टाविष्ठ॥	
Q. 5	एञेणाखा सांच भारिष्णूसेभा खाँक नेकए ऋनतू, र्वेद्दमए खाँलेमक्वाण क्रभम एटे ह्स्कारुह्माणी	5 x1= 5
	र्मेन्य क्षात्रक्षण हेणमान स्वत्य क्रिकेस स्वत्य क्षात्रक्षण हेणमान स्वत्य क्षात्र स्वत्य स्वत्य क्षात्र स्वत्य	
	। द्रुद मण विशेष हरणाणा क्षाहणणी विश्वमान विश्वमान हर्षे	
Q. 6	॥ ജയർ യയ്ക്കാ ചെട്ടിന്ന യാപ്കാര്റ്റ് പാല് ചെട്ടിവന മുപ്പന്ന	$3 \times 2 = 6$
	(a) নুমুদ্ধ শ্রী মুশ্লম ॥	
	(b) वँस ភេះឃविश्वीत प्रूट् พิ ष्ठ॥	
	(c) ह्युक्त चित्रीण किरा चित्र विकास कार्य (c)	
	I	1

Q. 7	- थियार्च अर्ह्स विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय	1
	(a) Ha 双四 又°吧8 II	
	॥ इष्ट्रम मञ्जूष (d)	
	(c) শাঁস° ভন্ন স ° ভ ষ॥	
	(d) พิบันเทน สาราสาราสาราสาราสาราสาราสาราสาราสาราสาร	
Q. 8	-अराम्या प्राव्यक्त १ व्रह्म अस्त भाषा प्राव्यक्त १ व्रह्म अस्त	1
	(a) ॐ४एठाणी स्वाभी व्यक्तसम्बद्ध स्वोख्टक्रर ॥	
	(b) घ्रुपुष्ठ से त्रेकूए से त्रेष्ट्रप्र टेष्ट्र॥	
	(c) मूँ স্টাল্ডাছেম॥	
	(d) स् व्रॅटिष्ट्रमूट से सूर्यस्था।	
Q. 9	'टं'लिंध्य क्रेट सिष्ठ' क्रेडण प्रवाणी येक्डक क्रिका —	1
	(a) ਟੇ ভ্ৰমে মাধি॥	
	(p) दूहमञ्जू सञ्जू सञ्जू मञ्जूषा	
	(c) प्रो खएऋछऋ ७ ॰२ अधिष्ठ॥	
	(d) সংশূল্ম তাহার শাশ্র সম্প্রা	
Q. 10	-विद्याल्य अर्थे विद्याले अर्थे विद्याले अर्थे विद्याले अर्थे विद्याले विद्	1
	(a) सँग्रेखए क्रलाह्म उमर ॥	
	(b) ග්රා ක්රිය්ද්රිත් මාන්ත්ර (d)	
	(c) सँग्रें चाथा प्रविच्या विकास किया है से पाथा	
	(p) ### 30. ### (p) (d) ##### (d) #########################	
Q. 11	- विष्णा किया विष्णा विष्ण किया विष्ण किया किया किया किया किया किया किया किया	1
	(a) उठमा ऋष्ठम समाम जिल्लाहा।	
	(b) អុ្ធឃុំ ភូប្បាន ឬខ្លួន បាន ខ្លួន ()	
	(c) प्रक्रम पॅंद ऋ्र व्याम् <u>थ</u> त्र॥	
	॥ ৪¾ আছম ৪¼ আছম १५ (p)	
Q. 12	॥ दूद णाइन्द्र माण्य अमर्भाग्र	3 x 1 = 3
	(a) एकं स ४ मध्य ४ स्था १ सुरू अध्य अव्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप	
	 हार्यसम्बद्धाः साथकार्यस्य स्थापन	
	ന <u>്മ</u> -ന്മ്പിധ്യേഷയ്യാ മാപമേയ്യായ്യ ചെയ്യ	
	তाचर्य ॥ टूट्य उदर्श राजमण विद्युत गाटकार २०५६ में स्राध्य महत्रम स्राध्य चर्य (d)	
	हिंच हैं के उन्हों के प्राप्त के स्वाय के स्वयं	
	"॥ তুৱ স্কর্চাশিতভ <u>ীণ্ডাদ</u> খাদ <u>ম্মত</u> খাত্র <i>্</i> রত রাজ	
	m m	

Section - (С	20
Grammaı	r: 1. Manipuri Dipthongs, 2. Syllable, 3. Morpheme & Allomorph, 4. Root and Affixes	Marks
Q. 13	- ദ്യൂ കൂട്ടു പ്രത്ഷ	1
	(a) 'ឃី' បារា	
	(b) 'ឃឹ" ሮ ព ែ	
	(c) '哑' 叮 II	
	(d) ' To' ए।	
Q. 14	- वाधन विद्यां ह्यां हिन्द्र समर्थम व्यक्ति विद्यां प्रतं प्रि	1
	(a) \U Cf Cf	
	(b) ឃុ្ក្កា បារា	
	(c) ж ө f ए।	
	(d) ខេស្កា ៤[៕	
Q. 15	ಕೆए 'झ' ण केजम्भ मंध्यमं स्थाधमा स्थाधमा निवास कार्य प्राथमा म्याधमा निवास कार्य प्राथमा स्थाधमा निवास कार्य प्राथमा स्थाधमा निवास कार्य प्राथमा स्थाधमा निवास कार्य प्राथमा स्थाधमा निवास कार्य प्राथमा निवास कार्य प्राथमा निवास कार्य प्राथमा निवास कार्य प्राथमा निवास कार्य प्राथम निवास कार्य कार्य प्राथम निवास कार्य प्राथम निवास कार्य कार्य प्राथम निवास कार्य का	1
	(a) 证 版 で「II	
	(b) ឃ្បៅ បៅ แ	
	(c) WATE CL	
	(d) 無的 で	
Q. 16	ने अष्य व्याप्त विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय	1
	(a) 'யுத' யிக்று 'யிது' மிய	
	(р) , ቋቋ, ቋቋ, ធ្នា , ቋቋ, ធ្នា ,	
	(c) 'ਢੋਨ' ਢੜ੍ਹਾਂ 'ਢਨ' ए। ।	
	(d) ,ជាគ. ጠዙሯጠ ,ជ ቃ ዾ, ቤ ሀ	
Q. 17	- १४८८, ठाण अक्र का जामक मार्ट कर जानफ भन्न भन्न मार्	1
	(a) '৯৫' ए।।	
	(b) 'ឃី' ប[ា	
	(c) 'क्रन' ए।।	
	(d) 'ਰੌ' ਈ॥	

Q. 18	'टम' ক্রৈষ্ঠ প্রতি॰ম্ব দ্বপ্রে –	1
	(a) गेजनाण ऋेडक णासण खांच्छा शासण खांचा वाहिक हो।	
	(b) മ്മൗംഭഗംവരു നുട് എന്നാലു ഉപ്പോർ നുട്ടു എന്നു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വരു വര	
	(c) ऋ ७७७७७५ प्परीण गेयनणी ऋ७७५० प्पस्ताण्य लेष्ठरी॥	
	(d) गेरानाण ऋेख्ऊेण पस, क्षेथ्लेटिक पटी पस्लाण गेरानाण ऋेखऊेण पसाण्ट लेहटी॥	
Q.19	'ऋषം, ചുടു കുപ്പെ നംടുക്കുക മയ്യ് –	1
	(a) 'ফ' ए ।।	
	(b)' ភ' ሮៃ	
	(c) ' <u>স্ত্রণ</u> ' ए।	
	(d)' <u>স্কল</u> °' দো ॥	
Q. 20	'टाण' श्रेयह से क्षेप्रहामाणी प्प॰टो॰से का -	1
	(a) '마' 면 II	
	(b)'ฮ' ซ ์ แ	
	(c) '암町' 면 ॥	
	(d) '암º' 면 ॥	
Q. 21	'ਸ਼ਖਰਸ਼ਰ॰' ਕੇਙਲ ਸੇਕੇਂ ਘੁਲੀਜ਼ ਜ਼ੇਖਵੀਸ –	1
	(a) আটো ইাল্লম॥	
	॥ द्रह्म मूर्ज्ज्य (d)	
	(c) प्राप्त प्राप्त प्राप्त (त्र	
	(d) দেশ গ্রিভ্র ম॥	
Q. 22	- क्रिमाञ्चर्य हर्यक्रम होधहर होशक्र प्रें एक्रम्	1
	(a) 'ኤ ^³ '	
	(b)'æੇण' ए।	
	(c)'ਰਸ' ਦੀ ॥	
	(d)'ኤ' ሮf	
Q. 23	'шप्रक्षण' क्रेड्र क्षेड्र क्	1
	(a) ' ፱' ሮ የ	
	(b)'x⊀' ซใแ	
	(c) 'm' ए।	
	(d)'πੇ' ਦ ਿ॥	

Q. 24	- थिए अन्य हो स्थाप क्रिस हिस है स्थाप क्रिस हिस है ।	1
	(a) 'ш' ፒៅ II	
	(b)' ᠼ³' ৫ি॥	
	(c) 'ፚ ^ò ш' ሮៃ ॥	
	(d)' ᠼ^³ш жएाँ' ए। ॥	
Q. 25	प्रेष्ट्राणी स्टब्स् -	1
	(a) 世冊 	
	(b) ៤៤៤៤ ॥	
	(c) 亚 藻甲 尼 II	
	(d)គ េ មាបៃពី॥	
Q. 26	मिटी ग्राधि प्राप्त मित्र न	1
	(a) 虹 版 ざ ll	
	(b) प ए विं॥	
	(c) प्रजू म वै॥	
	(d) 듀마 đ ॥	
Q. 27	- रिजालिस होक्सर्र होएस हर्त प्रमानिक विकास	1
	(a) 'ኤዡ' ሮf ။	
	(b)'ੇੇ ਦੀ ॥	
	(c) 'ኤ' ሮf II	
	(d)' ৯ মৌখ' তা ॥	
Q. 28	- मल्लाल् ह्रीएक हर्दर रीज्यामक्षराचिक	1
	(a) দেশ গ্রিছা ॥	
	॥ द्रह्म मूर्ज्य (d)	
	(c) অ ঢ ি রৌদ্লম॥	
	॥ तह्नर्र च्या व्या (b)	
Q. 29	് കടൂല നല്യൂ മുത്യ മുത്യ ലോല് –	1
	(a) 'ম <u>े</u> লু' দ্বাঁচ॥	
	(b)'মফল' দ্রুল	
	(c) ' 瓜 ංයෟසෟහළ' කු ංව II	
	(d)'त्रुष्ण प्रेकम' प्रवे क ॥	

Q. 33 차였고 교회에 여덟 교로 표정에 발표 전상 및 표면 및 표			
(c) 常知 で で で で で で で で で で で で で で で で で で	Q. 30	'ਅਖट॰' केंक्रभाष्ठ प्रें णणीं होच्नभाष्ठ 'अध' णणी –	1
(c) 能団37 で で で で で で で で で で で で で で で で で で で		(a) हक्ष क्रि दि॥	
(d) 型できまかを で (l) Q. 31		(b) ঠিছাভাল লু ধ লা।	
Q. 31 対域 電無同性 無空間 無限 可以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以 以		(c) 能 س死死 で	
(a) '常田安宗' 國'添田 (公)' (分)' (內)' (內)' (內)' (內)' (內)' (內)' (內)' (內		(d) ய ංටංසංහිත ලේ II	
(b) 'ऋ때उन्गर' 國"添 ॥ (c) '처럼' অ"添 ॥ (d) '때॰ਫੋ॰ਜ਼ੇ॰ਸਿਵ' ਅ"添 ॥ (d) '때॰ਫੋ॰ਜ਼ੇ॰ਸਿਵਾਰੀ আਲু ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਧਾੈਨ ਦ ਨਰ ਜ਼ਰਮਜ਼ - (a) '/ ' তੀ ਜਿਸ ਜ਼ਰੇਨ ਜ਼ਰ ਨਦੇਂ ॥ (b) '{ }' তੀ ਜਿਸ ਜ਼ਰੇਨ ਜ਼ਰ ਨਦੇਂ ॥ (c) '[]' তੀ ਜਿਸ ਜ਼ਰੇਨ ਜ਼ਰ ਨਦੇਂ ॥ (d) '। ।' তੀ ਜਿਸ ਜ਼ਰੇਨ ਜ਼ਰ ਨਦੇਂ ॥ Section - D Prose: Q. 33	Q. 31	– ছুদারণ্রন মাত্মত আংমজন্দ ষর্গ্যেশুন লাড্রা আন্মা হুদ্	1
Q. 32 (c) 分娩 贈添 (d) (他でき 完 密 と 関 本		(a) 'ਜ਼ੇшਨਾπ' ਛਾੰ ਨ ॥	
Q. 32 電き飛音のでき、歯をのでして、 でき、 でき、 でき、 でき、 でき、 でき、 でき、 でき、 でき、 でき		اا عربه بسموسمّر, (p)	
Q. 32 取でき来。か医医の「回夏 無質 取りあで ある 無354 ある。 1 (a) '/ /' の「いい 未対ある あざ !! (b) '{ }' の「いい 未対ある あざ !! (d) '1 ' の「いい 未対ある あざ !! 10 Prose: Q. 33 対元マコ 励动 「		(c) 'ম <u></u> লু' দ্রু'চ॥	
(a) '/ ' の「III 無対 あ		(d),ණදුංසදා කූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූූ	
(b) '{ }' の「「」」 で「「 無対 あ	Q. 32	ಹುಗುತ್ತು ಆಧ್ಯ ಹುತ್ತು ಕಂಪ್ರವಾಣ್ಯ ಕ್ರಾಂತ್ರಾ ಕಂಪ್ರವಾಣ್ಯ ಕ್ರಾಂತ್ರಾ ಕಂಪ್ರವಾಣ್ಯ ಕ್ರಾಂತ್ರಾ ಕ್ರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾಂತ್ರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾರಾ ಕ್ರಾ ಕ್	1
(c) '[]' প্রণাণ দির্রুক্তর কর্ত্ত। (d) '। ।' প্রণাণ দির্রুক্তর কর্ত্ত। 10 marks Prose :		(a)'/ /' পােশ চিংনিক কেওঁ॥	
(d)'1 ' の作的 無対ある あざ 10 marks Prose :		(b)'{ }' পাাাদ	
Section - D 10 marks Prose: 3 Q. 33 対策やする過ぎができる。 3 Q. 34 である。対象のである。 である。 である。 2 3 中のよりである。 3 3 中のよりである。 3 4 x 1 = (a) 電子を含むできる。 (a) 電子を含むできる。 4 x 1 = (a) 電子を含むできる。 4 x 1 = (a) 電子を含むできる。 4 x 1 = (a) 電子を含むできる。 2 であるととととととといった。 はおいまなどのできる。 4 x 1 = (a) 電子を含むできる。 2 であるとととととととととととととととととととととととととととととととととととと		(c)'[]' পাশি চিরফ কটো	
Section - D marks Prose : 3 Q. 33 সৈত্ত-মঞ্চা কিল্ল ক্রিপ্রাণ আঞ্চনত প্রত্যক্ত আঞ্চাতি ? 3 Q. 34 প্রত্ত-জলি ফলি আঞ্চনত প্রক্রেশা আঞ্চনত প্রত্যক্ত আঞ্চাতি ? 3 Q. 35 আন্দ্রমান আরিমুন আরিমু। 4 x 1 = (a) অফিন্টেন মের্টিনিক মের্টিনিক আঞ্চনত ক্রিনিটা আল্চনত করিশার আক্রিমার করিছে আলি ক্রের্টিনিক স্বিলাধিক ক্রির্টিনিক স্বিলাধিক ক্রির্টিনিক স্বিলাধিক স্বিল		(d)'। ।' গোশো দিরকৈ ল চেইঁ॥	
Q. 33 対	Section - 1	D	10 marks
Q. 34	Prose:		
 Q. 34	Q. 33	नेत्र॰च खेळा लेब्रूट यम्बर्धा धिएएव खर्माए॰ १	3
Q. 35 আন্সা আনুসা আনুস	Q. 34	ळ ४७३० ४०० ४०० ४०० ४०० ४ चित्र १५०० १५०० १५०० ४ चित्र १५०० १५०० १५०० १५०० १५०० १५०० १५०० १५०	3
(a) प्रिजेश्वर्त तेज्ञा भारत स्वाचा प्राध्या है स्वाचा विकास से स्वाच्या विकास से		കുന്ന മാന് രൂട്ട് പ്രസ്ത്രം ഉ	
গুত্ত স্থাপ্ত প্ৰতিষ্ঠা প্	Q. 35	॥ន្តវិរារ मद्भर्झ्रा णाउन्द चादमण	$4 \times 1 = 4$
		(a) ឃឹសិត তেন তিন্দু তেন বিষ্ণা আইন কিন্তু আৰু তেন বিশ্ব তিন্দু আৰু তেন বিশ্ব তিন্দু আৰু তেন বিশ্ব তিন্দু তিন্	
(b) ग्रेटाणेन ट॰ए॰भःनाणी सक्षमक्ष हुत		१ গ্রস্ত সমন্ত্রম	
		(b) ភ្និត ស្គមមា ហោក១៨១១១ ក្ខុជាញជំ (d)	

Section - D)	10 marks
Poetry:		
Q. 36	॥ তুর তার্মগ্রেগ তার্মুন্দর্গ তার্মনা শির আহম আমন্স	$6 \times 1 = 6$
	a. ខិតម្កាយ ភ័ស ខិយាភ ជ ឃាយជ ಿ យាសស	
	മുന്നായ വുഹ്നാം വുത്തു	
	ट°ಾ टोшफ, ಹಈಶಿಶು ए।шकर ए।шकर	
	म्द्राण ज्रूबटे ग्रोणञ्ज्य	
	b. ਸ਼ੁਖਰੇਙ ਸੇਘ ਕਾਘਟਲਜ਼	
	ഷലയെക്ക് സിമ്യൂഷ്	
	अह्टडे ब्ब्र इंट्रड्डिट हाणी॥	
Q. 37	१ की धारा के उपलेख के प्राप्त के भी के भी के	2
Q. 38	'चारी प्रताप हाणी प्रताप सेणां प्रताप सेणां प्रताप होणां प्रताप होणां हैं।	2